वर्ष 19 ● अंक 22 नई दिल्ली ● (रविवार) 18 सितम्बर से 24 सितम्बर, 2022 ● पृष्ठ – 8 ● मूल्य 5 रूपये

RNI No.DELHIN/2004/12965

लख खुशियां पातशाहियां जे सतगुरु नदरि करे।।

निर्भीक निष्पक्ष समाचार पत्र

# उदय प्रकाश

साप्ताहिक

M. : 9811237598, 9871592598 E-mail Address: udayprakashnews@gmail.com

उम्मीदों का कारवां

(एक सामाजिक संस्था)

# 'डिग्निटी फाउंडेशन संस्था' ने हर्षोल्लास से मनाया 'वर्ल्ड अल्जाइमर्स डे'

## बुर्जुगों ने अपनी शानदार प्रतिभा द्वारा लोगों को किया मंत्रमुग्ध, अल्जाइमर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक किया

**–हर्ष कुमार–**

**नई दिल्ली।** अल्जाइमर एक मानसिक बीमारी है। हर वर्ष '21 सितंबर' को 'वर्ल्ड अल्जाइमर्स डे' मनाया जाता है। इन दिनों लोगों में यह बीमारी अधिक बढ़ती जा रही है। इसका कारण तनाव और डिप्रेशन है। अल्जाइमर की समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष अनेक सामाजिक संगठन इसे अपने–अपने स्तर पर मनाते हुए लोगों के बीच इस बामारी के प्रति जागरूकता लाना का नेक काम करते हैं।

'उदय प्रकाश' न्यूजपेपर के संरक्षक एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री नरेश माथुर ने बताया कि पिछले कुछ सालों में अल्जाइमर एक सामान्य बीमारी के रूप में उभर कर सामने आई है। अल्जाइमर दिमागी बीमारी है, जो व्यक्ति के दिमाग को कमजोर कर याद्दाश्त पर असर डालती है। पहले ये बीमारी ज्यादातर बुजुर्गों में देखने में मिलती थी, लेकिन तनाव और डिप्रेशन की वजह से अब ये कम उम्र के व्यक्ति को भी अपना शिकार बना रही है। अल्जाइमर के बढ़ने की एक वजह जागरूकता की कमी भी है। लोगों को इस बीमारी के प्रति सचेत करने के लिए हर साल 21 सितंबर को 'वर्ल्ड अल्जाइमर्स डे' मनाया जाता है। 'अल्जाइमर डे' के दिन लोगों को इस बीमारी के लक्षण, कारण और उपचार के बारे में जागरूक किया जाता है।

### क्यों मनाते हैं 'वर्ल्ड अल्जाइमर डे' ?

अल्जाइमर एक मानसिक रोग है, जिसे लोग गंभीरता से नहीं लेते। ज्यादातर लोगों का मानना है कि उम्र के साथ याददाश्त का कमजोर होना आम बात है। यही वजह है कि अधिकतर लोग बिना ट्रीटमेंट के कई तरह की पर्सनेलिटी डिसऑर्डर का सामना कर रहे हैं। भारत में ही नहीं अन्य देशों में भी लोग इस बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। लोगों की इसी सोच को बदलने के उद्देश्य से हर साल 'अल्जाइमर डे' मनाया जाता है। इसके माध्यम से विश्व स्तर पर लोगों को अल्जाइमर के मुख्य्य लक्षण, कारण और उपचार से संबंधित जानकारी मुहैया कराई जाती है।

अल्जाइमर के मुख्य लक्षण हैं, जैसे लोगों को पहचानने में परेशानी, काम करने में परेशानी, सोचने की शक्ति कम होना, चीजों को सुलझा न पाना, भूल जाना, आंखों की रोशनी कमजोर होना, मूड स्विंग्स, डिप्रेशन, थकान, कमजोरी है। वहीं अल्जाइमर के मुख्य कारण हैं, जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, स्मोकिंग, कोलेस्ट्रॉल, हाइपर कोलेस्ट्रोलेमिया, सिर पर चोट लगना, दुर्घटना होना, अनुवांशिक कारण प्रमुख हैं।

श्री नरेश माथुर ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि आज कल अल्जाइमर रोग अत्यधिक बुजुर्गो में पाया जाता है, जो कि डेमिनसिया का ही एक प्रकार है। श्री माथुर ने बताया कि 'डिग्निटी फाउंडेशन संस्था' भारत की सबसे पुरानी गैर लाभकारी संस्था है, जो वरिष्ठ नागरिकों की भलाई के लिए समर्पित है और निरन्तर सेवा में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इसके अंतर्गत 4 डिमेंशिया केंद्र कुशल कर्मियों द्वारा संचालित हैं, जो कि चेन्नई, मुम्बई, पुणे और नई दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में स्थित है और संस्था द्वारा ज्यादा से ज्यादा सेंटर भारत के सभी शहरों में संचालन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि 'वर्ल्ड अल्जाइमर्स डे' को ध्यान में रखते हुए 'डिग्निटी फाउंडेशन संस्था' द्वारा एक कार्यक्रम संस्था की संस्थापिका व अध्यक्षा डॉ. शीलू सिरीनिवासन, जाकि पीएचडी Sociology मुंबई MA Phychiatric Social कार्य की डिग्रीयाँ संजोय हैं द्वारा प्रेषित किया गया। 'डिग्निटी फाउंडेशन संस्था' द्वारा अनेक चाय मस्ती सेंटर बुजुर्गों के लिए अलग–अलग राज्यों में संचालित हैं, जिनमें से एक सफदरजंग एन्क्लेव का सेंटर अपनी प्रसिद्धि तेजी से प्राप्त कर रहा है, जो कि अर्चना चौधरी जी के मार्गदर्शन में संचालित है। अर्चना जी एनसीआर चैप्टर की प्रमुख हैं। इस संस्था से जुड़ने के आप मोबाइल नंबर 8076163907 (संयोजिका, मीनू गुप्ता रॉय) तथा 'डिग्निटी फाउंडेशन संस्था' के हेल्पलाइन नंबर : 8448317316, एन्लोरमेंट नंबर : 9152017120, 8802086165 पर संपर्क कर सकते हैं।

संस्था की संस्थापिका व अध्यक्षा डॉ. शीलू सिरीनिवासन के अनुसार यह बीमारी एक उम्र के बाद लोगों में होने लगती है, जिसमें लोग चीजों को याद नहीं रख पाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ ही तमाम तरह की बीमारियाँ हमारे शरीर को निशाना बनाना शुरू कर देती हैं, इन्हीं में से एक प्रमुख बीमारी बुढ़ापे में भूलने की आदत जिसे अल्जाइमर डिमेंशिया कहा जाता है। उन बुजुर्गो की तादाद लगातार बढ़ रही है, जिन्हें अल्जाइमर है। उन्होंने कहा कि इस खास दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों में इस बीमारी के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाना है ताकि घर परिवार की शोभा बढ़ाने वाले बुजुर्गो को इस बीमारी से बचाकर उनके जीवन में खुशियाँ लाई जा सकें।

श्री नरेश माथुर ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 21 सितंबर को 'विश्व अल्जाइमर दिवस' के अवसर पर संस्था द्वारा विशाल मॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां बुजुर्गो ने खूब मस्ती की। इसके बाद उन लोगों ने साकेत सिटी मॉल पहुंचकर अपनी अभिनय प्रतिभा से समा बांध दिया और अपने–अपने हुनर दिखाए, जिन्हें देख मौके पर मौजूद लोगों ने तालियाँ बजाकर उनका अभिनंदन किया और उनकी प्रतिभा को सराहा। यह कार्यक्रम और जगहों पर जैसे गुड़गांव, सफदरजंग सेंटर पर भी आयोजित किया गया, जहां उम्र दराज बुजुर्गो ने डांस कर खूब लुत्फ उठाया और लोगों को आनंदित किया। श्री नरेश माथुर ने बताया कि संस्था से जुड़े बुर्जुगों ने सबसे पहले 'दिल्ली हॉट, आईएनए' में अपनी शानदार परफॉरमेंस से सभी को मंत्रमुग्ध किया, जिसे वहाँमौजूद लोगों ने खूब एन्ज्वॉय किया। इसके बाद 60 वर्ष से 90 वर्ष के बीच के ये बुर्जुग साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी मॉल पहुंचे और वहां पहुंचकर अपनी शानदार परफॉरमेंस से समां बांध दिया।